घर से परसों की कहन गए श्याम ना आए बरसों बीत गए

घर से परसों की कहन गए श्याम,
ना आए बरसों बीत गए।bd।

देखे – परसो की कहके।

बरसों की तो कह गए मोहन,
किंतु बिता दिए बरसो,
कब आवेगी बैरन परसों,
अखियन लागी तरसो,
अंखिया लरसों निस दिन,
बरसे आठो याम
ना आए बरसों बीत गए,
घर से परसो की कहन गए श्याम,
ना आए बरसों बीत गए।bd।

ऋतु कंत आवे बसंत,
खेतन मैं फूली सरसों,
मिलन हेतु मे मुरलीधर सों,
घर ही घर में तरसों,
राधा वर सों मेरो,
कह दीज्यो प्रणाम,
ना आए बरसों बीत गए,
घर से परसो की कहन गए श्याम,
ना आए बरसों बीत गए।bd।

उजड़ी मथुरा बस गई अब तो,
बस्ती गई उजड सों,
मथुरा वाली अपनी है गई,
राधा है गई परसो,
मानो बृजवासी पे गयो,
विधाता हार,
ना आए बरसों बीत गए,
घर से परसो की कहन गए श्याम,
ना आए बरसों बीत गए।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

विषधर कालिया गयो है जब ते,
वंचित रही ज़हर सों,
मरने लायक नहीं रह गई,
लटकी रह अधर सों,
तडपत रह गई गयी,
गोपी कठिन कलेजा हार,
ना आए बरसों बीत गए,
घर से परसो की कहन गए श्याम,
ना आए बरसों बीत गए।bd।

घर से परसों की कहन गए श्याम,
ना आए बरसों बीत गए।bd।

गायक – आचार्य राजकृष्ण।
9528028818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com